GEOGRAPHY

कक्षा 7वीं

अध्याय 5: जल

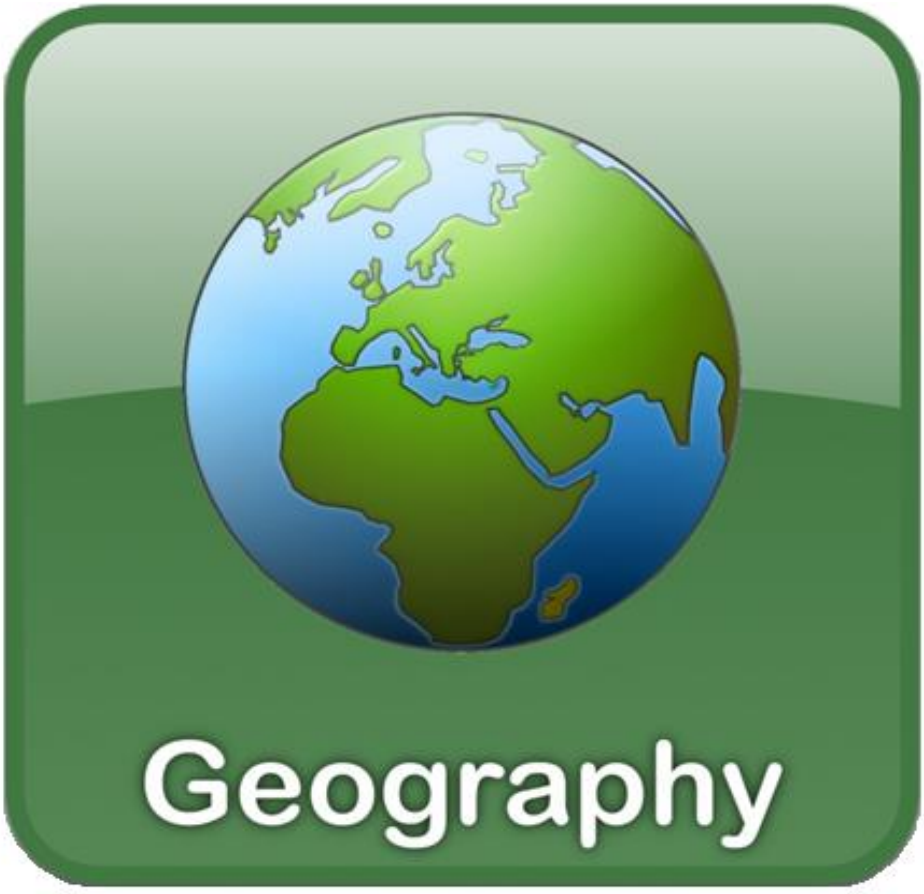

नोट्स प्राप्त करने के लिए हमारी वेबसाइट पर जाएँ

mukutclasses.in

अभ्यास

प्रश्न 1: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(क) वर्षण क्या है?
(ख) जल चक्र क्या है?
(ग) लहरों की ऊँचाई प्रभावित करने वाले कारक कौन-से हैं?
(घ) महासागरीय जल की गति को प्रभावित करने वाले कारक कौन से हैं?
(च) ज्वार भाटा क्या हैं तथा ये कैसे उत्पन्न होते हैं?
(छ) महासागरीय धाराएँ क्या है?

उत्तर:
(क) बादलों में संघनित जल जब वर्षा या हिमपात अथवा अन्य रूपों में पृथ्वी पर आता है, वर्षण कहलाता हैं।

(ख) जिस प्रक्रम में जल लगातार अपने स्वरूप को बदलता है और महासागरों, वायुमंडल एवं धरती के बीच चक्कर लगाता रहता है, उसे जल चक्र कहते हैं।

(ग) लहरों की उचाई को प्रभावित करने वाले कारक :
- जल की गति
- वायू की गति
- सूर्य एवम चंद्रमा की आकर्षक शक्ति

(घ) महासागरीय जल की गति को प्रभावित करने वाले कारक:
- वायू की गति
- भूकप
- ज्वालामुखी उद्गार
- जल के नीचे भू-स्खलन

MUKUTclasses

(च) ज्वार-भाटा दिन में दो बार नियम से महासागरीय जल का उठना एवम गिरना 'ज्वार भाटा कहलाता है। जब : सर्वाधिक ऊंचाई तक उठकर जल, तट के बड़े हिस्से को डुबो देता है, तब उसे ज्वार कहते है। जब जल अपने निम्नतम स्तर तक आ जाता है एवं तट से पीछे चला जाता है, तो उसे भाटा कहते हैं।

ज्वार भाटा की उत्पत्ति के कारण
- सूर्य तथा चंद्रमा के शक्तिशाली गुरुत्वाकर्षण बल के कारण पृथ्वी की सतह पर ज्वार भाटे आते हैं।
- जब पृथ्वी का जल चंद्रमा के निकट होता है उस समय चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण बल से जल अभिकर्षित होता है, जिसके कारण उच्च ज्वार आते हैं।
- पूर्णिमा एवं अमावस्या के दिनों में सूर्य, चंद्रमा एवं पृथ्वी तीनों एक एक सीध में होते हैं और इस समय सबसे ऊँचे ज्वार उठते हैं। इस ज्वार को बृहत ज्वार कहते हैं।
- लेकिन जब चाँद अपने प्रथम एवं अंतिम चतुर्थांश में होता है, तो पृथ्वी एवं सूर्य का गुरुत्वाकर्षण बल विपरीत दिशाओं से महासागरीय जल पर परता है, परिणामस्वरूप, निम्न ज्वार भाटा आता है। ऐसे ज्वार को लघु ज्वार-भाटा कहते हैं।

(छ) महासागरीय धाराएँ: महासागरीय सतह पर जब जल नियमित रूप में एक निश्चित दिशा की ओर बरता है, महासागरीय धारा कहलाता है।

प्रश्न 2 : कारण बताइए-

- **(क) समुद्री जल नमकीन होता है।**
- **(ख) जल की गुणवत्ता का ह्रास हो रहा है।**

उत्तर:

(क) समुद्री जल नमकीन होता है क्योंकि इसमें बड़ी मात्रा में घुले हुए लवण होते हैं। ज्यादातर नमक सोडियम क्लोराइड या आम नमक होता है जिसे हम खाते हैं।

(ख) जल की गुणवत्ता का ह्रास हो रहा है क्योंकि :

- हम नदियों में कूड़ा-कर्कट फेंकते है।
- कारखानों से निकलता प्रदूषित रासायनिक जल ।
- खेतों से बहने वाले हानिकारक कीटनाशकों और कीट प्रतिरोधी के अवशेष ।
- जल निकायों में फेंके गए मनुष्यों और जानवरों की आधी जली हुई लाश।

प्रश्न 3: सही (✓) उत्तर चिह्नित कीजिए-

(क) वह प्रक्रम जिस में जल लगातार अपने स्वरूप को बदलता रहता है और महासागर, वायुमंडल एवं स्थल के बीच चक्कर लगाता रहता है?

(i) जल चक्र (ii) ज्वार-भाटा (iii) महासागरीय धाराएँ

(ख) सामान्यतः गर्म महासागरीय धाराएँ उत्पन्न होती हैं :

(i) ध्रुवों के निकट (ii) भूमध्य रेखा के निकट (iii) दोनों में से कोई नहीं

(ग) दिन में दो बार नियम से महासागरीय जल का उठना एवं गिरना कहलाता है?

(i) ज्वार भाटा. (ii) महासागरीय धाराएं (iii) तरंगे

उत्तर 3:

(क) (i) जल चक्र

(ख) (ii) भूमध्य रेखा के निकट

(ग) (i) ज्वार भाटा

MUKUTclasses

प्रश्न 4: निम्नलिखित स्तंभों को मिलाकर सही जोड़े बनाइए-

(क) कैस्पियन सागर	**(i) विशालतम झील**
(ख) ज्वार भाटा	**(ii) जल में आवधिक चढ़ाव एवं उतार**
(ग) सुनामी	**(iii) तीव्र भूकंपी तरंगे**
(घ) महासागरीय धाराएँ	**(iv) निश्चित मार्ग में प्रवाहित होने वाली जल-धाराएँ**
	(v) जल चक्र

उत्तर 4:

(क) कैस्पियन सागर	(i) विशालतम झील
(ख) ज्वार भाटा	(ii) जल में आवधिक चढ़ाव एवं उतार
(ग) सुनामी	(iii) तीव्र भूकंपी तरंगे
(घ) महासागरीय धाराएँ	(iv) निश्चित मार्ग में प्रवाहित होने वाली जल-धाराएँ